



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027965
9415055318

दैनिक

यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक ख़बर



सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ-लखनऊ

यूपी की महिलाओं के लिए बड़ा तोहफा! 100 रेलवे स्टेशनों और 5 एयरपोर्ट्स पर खुलेंगे सीएम महिला उत्पाद विपणन केंद्र



संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी लाखों महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और उनके बेहतरीन उत्पादों को एक बड़ा राष्ट्रीय मंच देने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

अब प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार किए गए सामानों की बिक्री सीधे बड़े परिवहन केंद्रों पर होगी। इसके लिए राज्य के 100 प्रमुख रेलवे स्टेशनों, 100 बस स्टेशनों और 5 हवाई अड्डों पर ‘मुख्यमंत्री महिला उत्पाद विपणन केंद्र’ स्थापित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द प्रस्ताव प्रस्तुत करने का कड़ा निर्देश दिया है। अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री



केशव प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि प्रदेश की 3 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने और कम से कम 1 करोड़ महिलाओं को ‘लखपति दीदी’ बनाने के लक्ष्य पर ‘मिशन मोड’ में काम किया जाए। समीक्षा के दौरान उन्होंने

जानकारी दी कि प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर अब तक 543 ‘प्रेरणा सरल स्टोर’ सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, राज्य की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे 3 हजार से अधिक उत्पादों को ऑनलाइन और ऑफलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। उन्होंने इन नए स्वंदेशी उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की

प्रक्रिया में और तेजी लाने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जब ‘ड्रोन दीदी योजना’ की प्रगति पर बात हुई, तो अधिकारियों ने बताया कि राज्य के सभी 75 जिलों में कुल 11,81,660 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र के लिए ड्रोन सखियों का चयन पूरा कर लिया गया है। इस योजना के पहले चरण के तहत महिलाओं को 114 आधुनिक ड्रोन भी उपलब्ध कराए जा चुके हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल से किसानों की खेती में आने वाली लागत कम होगी। इसके साथ ही, रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल पर रोक लगेगी तथा जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री ने ‘टेक होम राशन योजना’ का लाभ राज्य के सभी 75 जिलों में जल्द से जल्द पहुंचाने पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने ग्रामीण इलाकों की अधिक से अधिक महिलाओं को दूध उत्पादन (डेयरी), मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन (मछली पालन) जैसे कमाई वाले व्यवसायों से जोड़ने के निर्देश दिए। सरकार का मानना है कि इन केंद्रों और योजनाओं के जरिए स्वयं सहायता समूहों को एक बहुत बड़ा बाजार मिलेगा, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

यूपी में महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी, 12वीं पास को जॉब!!

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। प्रदेश की महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी पाने का बड़ा अवसर आने वाला है। राज्य सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों में खाली पड़े हजारों पदों को भरने की तैयारी कर रही है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग ने भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए जिलों से रिक्त पदों का विवरण मांगा है।

इसके बाद जल्द ही भर्ती का आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने की उम्मीद है। इस भर्ती के जरिए प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के खाली पदों को भरा जाएगा। इससे बड़ी संख्या में 12वीं पास महिलाओं को रोजगार का मौका मिल सकता है। प्रस्तावित भर्ती में कुल 28,608 पदों को शामिल किया गया है। इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 7,068 पद और आंगनबाड़ी सहायिका के 21,540 पद शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्था को मजबूत करना और खाली पदों के कारण प्रभावित हो रहे कामकाज को बेहतर बनाना है। जानकारी के अनुसार,



अप्रैल 2026 में कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सेवा पूरी होने के बाद पद खाली हुए हैं। इन रिक्तियों को भरने के लिए विभाग ने भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी तेज कर दी है। नई नियुक्तियों से आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों और महिलाओं से जुड़ी योजनाओं के संचालन में भी मदद मिलेगी। आंगनबाड़ी भर्ती के लिए आवेदन करने वाली महिलाओं के लिए कुछ जरूरी योग्यता रखने वाली उम्मीदवारों को भी लाभ मिल सकता है। हालांकि चयन प्रक्रिया और अन्य नियमों की पूरी जानकारी आधिकारिक विज्ञापन जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

आवेदक महिला की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आयु की गणना हाईस्कूल प्रमाणपत्र में दर्ज जन्मतिथि के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने वाली महिला का संबंधित क्षेत्र की स्थानीय निवासी होना जरूरी होगा। आंगनबाड़ी भर्ती में चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर किए जाने की संभावना है। कुछ मामलों में अधिक शैक्षणिक योग्यता रखने वाली उम्मीदवारों को भी लाभ मिल सकता है। हालांकि चयन प्रक्रिया और अन्य नियमों की पूरी जानकारी आधिकारिक विज्ञापन जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

अखिलेश यादव का मास्टरस्ट्रोक! महिलाओं, किसानों और युवाओं के बाद अब इस वर्ग के लिए खोला वार्दों का पिटारा!

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी के कल्याणकारी योजनाओं और हिंदुत्व के नैरेटिव को काउंटर करने के लिए लोक-तुभावन घोषणाओं का नया दांव खेला है। महिलाओं, युवाओं और किसानों के बाद अब अखिलेश यादव ने स्वास्थ्य सेवा खासकर गरीब एवं बीमार वर्ग को केंद्र में रखकर एक बड़े मास्टरस्ट्रोक का ऐलान किया है। अखिलेश यादव ने कार्ड-मुक्त और मुफ्त इलाज पर कहा कि सपा सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश के सरकारी

अस्पतालों में मरीजों से कोई कार्ड नहीं मांगा जाएगा और उनका इलाज पूरी तरह मुफ्त किया जाएगा। केंद्र या राज्य सरकार की पात्रता योजनाओं के प्रशासनिक झंझटों और कार्ड दिखाने की बाध्यता को खत्म कर हर गरीब को सीधे मुफ्त मेडिकल सेवा देने की घोषणा. सामान्य बीमारियों के साथ-साथ कैंसर जैसी बेहद खर्चीली और गंभीर बीमारियों का इलाज भी मुफ्त देने का वादा. इस योजना को सपा के 2027 चुनाव घोषणापत्र का मुख्य बिंदु बनाया जाएगा. भाजपा के शासन मॉडल को चुनौती देने के लिए अखिलेश यादव एक-एक करके हर वर्ग के लिए योजनाओं का पिटारा खोल रहे हैं.



अखिलेश ने महिला सम्मान राशि का वादा और बसों में सुरक्षित और मुफ्त यात्रा के दावों पर सवाल उठाकर अपनी योजना लाने का संकेत. फसलों के बकाये का

विभाग में ही 41% पद खाली होने का दावा पर तुरंत कार्रवाई होगी. इसके साथ ही डॉ. राममनोहर लोहिया के ‘दाम बांधो’ सिद्धांत पर काम कर रोजमर्रा की वस्तुओं और ईंधन के दामों को नियंत्रित करना. अखिलेश यादव का सबसे बहुचर्चित राजनीतिक हथियार पीडीए रहा है. 2024 के लोकसभा चुनाव में जहां इसका अर्थ ‘पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक’ था, वहीं 2027 के रण से पहले वे इस फॉर्मूले का विस्तार कर रहे हैं ताकि सवर्ण और अन्य असंतुष्ट वर्गों को भी जोड़ा जा सके. इसके बाद पीडीए को पीड़ित पंडितों की नाराजगी को साधने के लिए इसे पीड़ित और रिक्त सरकारी पदों खासकर स्वास्थ्य

ने पीडीए का मतलब ऋण्डु4, ऋण्डु1दृष्टशब्द, यानी खेलो, बढ़ो, हासिल करो के रूप में परिभाषित किया. इससे पहले उन्होंने पीडीए का मतलब यानी धैर्य, अनुशासन, कार्रवाई से जोड़ा. क्या यूपी 2027 का मुकाबला और दिलचस्प होगा ? अखिलेश यादव का यह आक्रामक रुख 2027 के चुनाव को सीधे ‘योजना बनाम योजना’ की जंग में बदल रहा है. भाजपा की ‘आयुष्मान भारत’ और ‘डबल इंजन’ की कल्याणकारी योजनाओं के जवाब में अखिलेश सीधे ‘कार्ड-फ्री मुफ्त इलाज’ और व्यापक वित्तीय मदद का ऐलान कर रहे हैं. योगी सरकार जहां सुशासन, कानून-व्यवस्था और विकास

परियोजनाओं को आगे बढ़ा रही है, वहीं सपा स्वास्थ्य ढांचे की कमियों जैसे डॉक्टरों की कमी, वेंटिलेटर पर स्वास्थ्य सेवाएं को उजागर कर ग्राउंड नैरेटिव बदलने की कोशिश में है. पीडीए के लचीले फॉर्मूले से अखिलेश केवल अपने कैडर वोट तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि मध्यम वर्ग और शहरी गरीबों को भी अपने पाले में खींचना चाहते हैं. निश्चित रूप से, भाजपा की कल्याणकारी नीतियों के काट के रूप में अखिलेश यादव का यह ‘काउंटेबल एजेंडा’ उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 की लड़ाई को बेहद कड़ा और दिलचस्प बनाने जा रहा है।

दिल्ली में एक और निर्भया कांड! खाली स्लीपर बस के अंदर छात्रा से दुष्कर्म, ड्राइवर सहित कंडक्टर गिरफ्तार

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: दिल्ली से निर्भया कांड जैसा एक और मामला सामने आया है, जहां 11वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा के साथ स्लीपर बस में सामूहिक दुष्कर्म की खबर है. पुलिस ने इस मामले में बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, घटना 4 अगस्त की है जब छात्रा अपने घरवालों से नाराज होकर बस में बैठी और अपने चचेरे भाई के घर जाने के लिए निकल गई. लेकिन भारी बारिश और अंधेरे की वजह से वह गलती से परी चौक पर उतर गई.

उसी दौरान एक स्लीपर बस नोएडा सेक्टर 63 की ओर जा रही है, ऐसा कहकर बस वालो ने छात्रा को बस में बैठाया. आरोप है कि बस के कुछ दूर जाने के बाद कंडक्टर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत की. छात्रा ने विरोध किया तो उसे कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई. इसके बाद कंडक्टर



ने छात्रा के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत शुरू कर दी. आरोप है कि विरोध करने पर उसे धमकाया गया. इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने कथित तौर पर छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया.

कश्मीरी गेट के पास छात्रा को उतार, आरोपी फरार

आरोप है कि घटना के बाद दोनों आरोपी छात्रा को देर रात कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास

रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए. घबराई हुई छात्रा ने कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क किया और पूरी घटना की जानकारी दी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की. आरोपियों की तलाश में कई स्तर पर जानकारी जुटाई गई और

बड़ी संख्या में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई. जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी घटना के बाद तिमारपुर इलाके में स्थित एक बस पार्किंग में मौजूद थे. पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार कर लिया. घटना में इस्तेमाल बस भी बरामद कर ली गई है.

मरम्मत के बाद खाली बस लेकर निकले थे आरोपी

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन बस में खराबी आ गई थी. इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर बस को सूरजपुर स्थित वर्कशॉप में मरम्मत के लिए लेकर गए थे. मरम्मत पूरी होने के बाद दोनों बस को खाली लेकर तिमारपुर की ओर जा रहे थे. इसी दौरान परी चौक पर छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया. पुलिस के मुताबिक, परी चौक से कश्मीरी गेट तक बस ने करीब 47 किलोमीटर का सफर तय किया. स्लीपर बस के अंदर पदों लगे होने के कारण बाहर से अंदर की

गतिविधियां दिखाई नहीं देती थीं. ऐसे में रास्ते में किसी राहगीर को बस के भीतर कथित तौर पर हुई घटना की जानकारी नहीं हो सकी. पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. बस की फॉरेंसिक जांच के साथ अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को भी जुटाया जा रहा है. नाबालिग पीड़िता की पहचान कानून के तहत गोपनीय रखी गई है.

निर्भया कांड मामला

निर्भया कांड 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में एक 23 वर्षीय पैरामेडिकल छात्रा के साथ चलती बस में हुआ बेहद क्रूर और बर्बर दुष्कर्म और हत्या का मामला था. इस घटना ने पूरे भारत को झकझोर कर रख दिया था और इसके बाद देश भर में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे. इस मामले में कोर्ट ने दोषियों को मौत की सजा सुनाई. लंबी कानूनी लड़ाई और कई पुनर्विचार याचिकाओं के बाद, इन चारों दोषियों को 20 मार्च 2020 को सुबह 5:30 बजे तिहाड़ जेल में फांसी दे दी गई.

समोसे में गांजा भरकर खाते हैं भोजपुरी एक्टर रवि किशन! अखिलेश यादव की करीबी महिला नेता का चौंकानेवाला खुलासा

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में 6-8 महीने का वक्त बचा है, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप का दौर अभी से शुरू हो चुका है.ज्यादातर बयानबाजी भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेताओं के बीच हो रही है. ताजा मामले में अखिलेश यादव की करीबी नेता काजल निषाद ने गोरखपुर से सांसद रवि किशन पर जमकर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि लगता है भाजपा सांसद रवि किशन समोसे में गांजा भर कर खाते हैं. काजल निषाद का कटाक्ष रवि किशन के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कल्याण मंडपम के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा था कि गोरखपुर स्पेन जैसा नजर आता है. जिन्हें नजर नहीं आता है वो अंधे हैं.

पिछले सप्ताह दिया गया बयान तेजी से वायरल हो रहा है. दरअसल, क्षेत्रीय सांसद रवि किशन ने अपने संबोधन के दौरान गोरखपुर की विकास व्यवस्था और बदलती तस्वीर की तारीफ की. इस दौरान सांसद ने कहा कि उन्हें गोरखपुर स्पेन



जैसा लगता है. उनके इस अंदाज पर मंच पर मौजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य लोग हंसते नजर आए. दरअसल, शनिवार (29 अगस्त, 2026) को गोरखपुर के बशरतपुर में नवनिर्मित कल्याण मंडपम का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन किया था. कार्यक्रम में भाजपा सांसद रवि किशन और मत्स्य मंत्री संजय निषाद भी मौजूद थे.इस दौरान अपने संबोधन में रवि किशन

ने कहा- ‘हमको गोरखपुर स्मार्ट सिटी लगता है. गोरखपुर स्मार्ट सिटी है. हमको लगा है स्पेन है, हमको लगता है यह अद्भुत जगह है. ’ इसके बाद उन्होंने कहा- ‘ कोई आंख का अंधा है तो मैं क्या करूँ. ’ रवि किशन की यह बात सुनकर मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हंसते नजर आए. साथ ही बगल में बैठे अन्य नेता और मंत्री संजय निषाद भी ठहाका लगाने से खुद को नहीं रोक सके. यहां तक कि

कार्यक्रम का संचालन कर रही महिला एंकर भी सांसद रवि किशन के इस अंदाज पर अपनी हंसी नहीं रोक सकीं. वहीं, सांसद रवि किशन यहीं पर नहीं रुके और उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें गोरखपुर पर गर्व है. उन्होंने भोजपुरी अंदाज में कहा- ‘हमके लागेला गोरखपुर स्पेन है. हमके लागेला गोरखपुर अद्भुत जगह हवे. हमके लागेला कि गोरखपुर स्मार्ट सिटी हवे’. रवि किशन ने ततहा कि गोरखपुर में हुए बदलाव को महसूस किया है. रवि किशन ने कहा कि उनके बयानों पर लगातार टिप्पणियां की जाती हैं, लेकिन अगर उन्होंने गोरखपुर को स्पेन जैसा बताया तो इसमें गलत क्या है. उन्होंने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर हत्याओं का गढ़ हुआ करता था। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है. इस बयान के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रवि किशन को यूजर जमकर ट्रोल कर रहे हैं. इसी कड़ी में सपा की नेता और आए. साथ ही बगल में बैठे अन्य नेता और मंत्री संजय निषाद भी ठहाका लगाने से खुद को नहीं रोक सके. यहां तक कि

जलती चिता से मांस खाती दिखी अघोरी महिला, वायरल वीडियो पर मचा बवाल; गुस्साए संतों ने की एफआईआर की मांग

(यंग भारत न्यूज)

उज्जैन से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें खुद को अघोरी और किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बताने वाली काली उर्फ नंद गिरी रमशान घाट पर एक जलती चिता के पास नजर आ रही हैं.

आरोप है कि उन्होंने चिता से मांस निकालकर खाया. इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद उज्जैन के साधु-संतों में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है. वायरल हो रहे इस वीडियो में महिला हाथ में तलवार लिए जलती चिता के पास खड़ी दिखाई दे रही है. वीडियो में वह यह कहती हुई सुनाई देती है कि ' हम आज इसान का मांस खाएंगे. इसके बाद वह तलवार की मदद से चिता में से कुछ निकालती है और उसे खाने का दावा करती है. बताया जा रहा है कि यह वीडियो महिला ने अपने ही इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया था, जिसके बाद यह तेजी से फैल गया. हालांकि, इस वीडियो



की प्रामाणिकता की आधिकारिक तौर पर स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है. वीडियो के सामने आते ही उज्जैन के साधु-संतों और अघोर परंपरा से जुड़े लोगों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी महाराज समेत कई प्रमुख संतों ने इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा की है. संतों का स्पष्ट कहना है कि अंतिम संस्कार और शव से तेजी से फैल गया. हालांकि, इस तरह का

व्यवहार सनातन धर्म और अघोर परंपरा की मर्यादा के पूरी तरह खिलाफ है. संतों का कहना है कि जलते शव का इस तरह अपमान करना किसी भी सूत्र में स्वीकार्य नहीं है. इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं. संत समाज ने पुलिस प्रशासन से इस मामले पर तुरंत सज्ज्ञान लेने, आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है.

उम्र मत देखो, आजकल चलता है. 38 साल की लेडी टीचर के जाल में बुरा फंसा 11वीं का छात्र, ये स्तोरी पढ़कर खड़े हो जायेंगे रोंगटे

(यंग भारत न्यूज)

दिसंबर 2023 के दिन थे और स्कूलों में सालाना जलसे की तैयारियां जोरों पर थीं। मुंबई के उस इंटर कॉलेज में भी कुछ ऐसा ही माहौल था। जलसे में हिस्सा लेने वाले बच्चे अपने-अपने शो की प्रैक्टिस में लगे थे। 11वीं क्लास में पढ़ रहे मिहिर (काल्पनिक नाम) को भी ग्रुप डांस के लिए चुना गया था, जहां पहली बार उसके स्कूल की महिला टीचर शोमिता (बदला हुआ नाम) की नजर उसके ऊपर पड़ी। शोमिता ने पास जाकर उससे बातें शुरू कीं और फिर हर दिन किसी ना किसी बहाने से मिहिर से मिलने लगीं।

मिहिर को लगा कि उसकी टीचर का उससे इस तरह घुल-मिलकर बातें करना नॉर्मल है, लेकिन कहानी कुछ और थी। दरअसल, शोमिता अपने ही इस स्टूडेंट के साथ एक नाजायज रिश्ते को जन्म देना चाहती थी। मिहिर ने इंकार किया, लेकिन फिर अचानक कुछ ऐसा हुआ कि वो शोमिता के चंगुल में फंसाता चला गया और एक साल तक शोषण का दर्द सहकर घुटता रहा। क्या थी ये पूरी कहानी, पहरान छिपाने के लिए आरोपी टीचर और नाबालिग छात्र के दोनो नाम काल्पनिक और बदलकर लिखे गए हैं। हैरान कर देने वाली ये कहानी देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से है। जहां महिला टीचर शोमिता को अपने ही नाबालिग छात्र मिहिर का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घिनौने काम में शोमिता और मिहिर की एक कॉमन दोस्त ने भी उसका साथ दिया। शोमिता, मिहिर को फाइव स्टार होटलों में ले जाती, शराब पिलाती और फिर उसके साथ मनमानी करती थीं। ये सिलसिला पूरे एक साल तक चलता रहा। शोमिता और उसकी दोस्त के गिरफ्तार होने के बाद, इन दोनों की कई चौंकाते वाली बातें सामने आई हैं। 16 साल का मिहिर उस वक्त 11वीं क्लास में था। सालाना जलसे की तैयारी के दौरान 38 वर्षीय शोमिता उससे मिली और फिर लगातार बातें करने लगी। एक दिन उसने मिहिर से अपने मन में छिपी वो ख्वाहिश जारी की, जिसके लिए वह उसके करीब आई थी। मिहिन ने साफ-साफ इनकार कर दिया और इसके बाद शोमिता से बातें उसके लिए पागल हो चुकी थी। अब उसने मिहिर को फंसाने के लिए एक और प्लान



बनाया। शोमिता ने मिहिर को अपने साथ संबंध बनाने के लिए तैयार करने को एक चाल चली। उसने मिहिर की एक ऐसी दोस्त को चुना, जो उसकी भी करीबी थी। ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। इस दोस्त ने मिहिर को अकेले में बुलाया और समझाया कि बड़ी उम्र की महिलाओं के साथ किशोर उम्र के लड़कों के प्रेम संबंध सामान्य बात हैं। उसने कहा कि उम्र मत देखो, आजकल ये सब चलता है। वो हर सिलसिलेवार तरीके से आपको बताते हैं। पहचान छिपाने के लिए आरोपी टीचर और नाबालिग छात्र के दोनो नाम काल्पनिक और बदलकर लिखे गए हैं। हैरान कर देने वाली ये कहानी देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से है। जहां महिला टीचर शोमिता को अपने ही नाबालिग छात्र मिहिर का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घिनौने काम में शोमिता और मिहिर की एक कॉमन दोस्त ने भी उसका साथ दिया। शोमिता, मिहिर को फाइव स्टार होटलों में ले जाती, शराब पिलाती और फिर उसके साथ मनमानी करती थीं। ये सिलसिला पूरे एक साल तक चलता रहा। शोमिता और उसकी दोस्त के गिरफ्तार होने के बाद, इन दोनों की कई चौंकाते वाली बातें सामने आई हैं। 16 साल का मिहिर उस वक्त 11वीं क्लास में था। सालाना जलसे की तैयारी के दौरान 38 वर्षीय शोमिता उससे मिली और फिर लगातार बातें करने लगी। एक दिन उसने मिहिर से अपने मन में छिपी वो ख्वाहिश जारी की, जिसके लिए वह उसके करीब आई थी। मिहिन ने साफ-साफ इनकार कर दिया और इसके बाद शोमिता से बातें उसके लिए पागल हो चुकी थी। अब उसने मिहिर को फंसाने के लिए एक और प्लान

बनाया। शोमिता ने मिहिर को अपने साथ संबंध बनाने के लिए तैयार करने को एक चाल चली। उसने मिहिर की एक ऐसी दोस्त को चुना, जो उसकी भी करीबी थी। ये खबर आप जस्ट अभी में पढ़ रहे हैं। इस दोस्त ने मिहिर को अकेले में बुलाया और समझाया कि बड़ी उम्र की महिलाओं के साथ किशोर उम्र के लड़कों के प्रेम संबंध सामान्य बात हैं। उसने कहा कि उम्र मत देखो, आजकल ये सब चलता है। वो हर सिलसिलेवार तरीके से आपको बताते हैं। पहचान छिपाने के लिए आरोपी टीचर और नाबालिग छात्र के दोनो नाम काल्पनिक और बदलकर लिखे गए हैं। हैरान कर देने वाली ये कहानी देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से है। जहां महिला टीचर शोमिता को अपने ही नाबालिग छात्र मिहिर का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस घिनौने काम में शोमिता और मिहिर की एक कॉमन दोस्त ने भी उसका साथ दिया। शोमिता, मिहिर को फाइव स्टार होटलों में ले जाती, शराब पिलाती और फिर उसके साथ मनमानी करती थीं। ये सिलसिला पूरे एक साल तक चलता रहा। शोमिता और उसकी दोस्त के गिरफ्तार होने के बाद, इन दोनों की कई चौंकाते वाली बातें सामने आई हैं। 16 साल का मिहिर उस वक्त 11वीं क्लास में था। सालाना जलसे की तैयारी के दौरान 38 वर्षीय शोमिता उससे मिली और फिर लगातार बातें करने लगी। एक दिन उसने मिहिर से अपने मन में छिपी वो ख्वाहिश जारी की, जिसके लिए वह उसके करीब आई थी। मिहिन ने साफ-साफ इनकार कर दिया और इसके बाद शोमिता से बातें उसके लिए पागल हो चुकी थी। अब उसने मिहिर को फंसाने के लिए एक और प्लान

रक्षाबंधन मनाने आए मामा की शर्मनाक हरकत, 12 साल की बच्ची के साथ की दरिंदगी, 4 घंटे में गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

मध्यप्रदेश के आगर-मालवा जिले में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है. यहां कोतवाली थाना क्षेत्र में करीब 12 साल की एक नाबालिग बच्ची के साथ उसके चचेरे मामा ने दुष्कर्म किया. जिला अस्पताल में प्राथमिक इलाज देने के बाद बच्ची को बेहतर उपचार के लिए अन्‍यत्र अस्पताल रेफर किया गया है. दूसरी तरफ, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है.

जानकारी के मुताबिक, यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है. पीड़िता अपने माता-पिता के साथ यहां एक किराए के मकान में रहती है. आरोपी रक्षाबंधन के त्योहार पर बच्ची के घर आया हुआ था. त्योहार के अगले दिन बच्ची की मां स्कूल में अपनी ड्यूटी पर चली गई. उस समय बच्ची घर में अकेली थी. घर में कोई न होने का फायदा उठाकर चचेरे मामा ने इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया. घटना के बाद बच्ची की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी. हालत खराब होने पर परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों ने बच्ची की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसका प्राथमिक उपचार किया. इसके बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत अन्‍यत्र रेफर कर दिया. सीएसपी आगर मोतीलाल कुशवाह ने बताया कि कोतवाली पुलिस तुरंत हरकत में आ गई. पुलिस टीम ने आरोपी को तलाश के लिए तत्काल घेराबंदी शुरू की. पुलिस की सक्रियता से घटना के महज चार घंटे के भीतर आरोपी को धर दबोचा गया. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट (पॉक्सो एक्ट) और अन्‍य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.



के फटने और बाढ़ से बढ़ते खतरों को कम करने के लिए तुरंत रणनीतिक योजना बनाने और आपदा की तैयारी करने की मांग की है. उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो इस इलाके को नेपाल से भी खतरा है. रिसर्च ने चेतावनी दी है कि ग्लेशियर झील के अचानक फटने से आने वाले बाढ़, भूस्खलन या किसी अन्य प्राकृतिक आपदा का निचले इलाकों में रहने वाले लोगों और जरूरी बुनियादी ढांचे पर गंभीर असर पड़ सकता है. हाल के सर्वे डेटा

के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में 155 ग्लेशियर झीलों का गोलफ से जुड़े खतरों के लिए आकलन किया गया है, जिनमें से पांच को बहुत ज्यादा जोखिम वाली कैटेगरी में रखा गया है. इनमें ब्रमसार, च्विसार, नंडकोल, गंगाबल और भागसार झीलें शामिल हैं, जो गांदरबल, कुलगाम, किशतवाड़ और डोडा जैसे इलाकों के ऊंचे हिस्सों में मौजूद हैं. एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि बर्फ या चट्टान गिरने, भूस्खलन, झील के जलस्तर में तेजी से बदलाव या प्राकृतिक बांधों के टूटने से झील फट सकती है और भारी मात्रा में पानी निचले इलाकों में बह सकता है. ऐसी घटना से हजारों इमारतों, बड़े पुलों, सड़कों और अन्य जरूरी बुनियादी



ढांचे, जिसमें महत्वपूर्ण पनबिजली परियोजनाएं भी शामिल हैं, को नुकसान पहुंच सकता है सीनियर रिसर्चर और पर्यावरणविद् एजाज रसूल ने कहा, 'हमारे पास श्रीनगर और पूरे कश्मीर इलाके में ऐसी

कई झीलें हैं, जिनमें ऊंचे इलाकों में मौजूद कौसर झील और गंगाबल झील शामिल हैं. हमारे पास शेषनाग और गंगाबल जैसी झीलें भी हैं, जो श्रीनगर और कश्मीर इलाकों के काफी करीब हैं. इसके अलावा, पूरे हिमालय

में ज्यादा ऊंचाई पर कई पहाड़ी झीलें हैं. नेपाल में जैसी तबाही हुई थी, वैसी ही हो सकती है. ' वैज्ञानिकों ने बताया है कि नेपाल में, बर्फ का एक हिस्सा ग्लेशियर झील में गिर गया, जिससे पानी का एक बहुत बड़ा और तेज बहाव पैदा हुआ जो पांच मंजिला इमारत से भी ज्यादा ऊंचा उठ गया. इस घटना में जान-माल का भारी नुकसान हुआ. इस घटना ने जम्मू-कश्मीर पर भी ध्यान खींचा है क्योंकि ऊंचे हिमालयी इलाकों में ग्लेशियर वाली झीलों और ग्लेशियरों के पिघलने के मामले में यह इलाका भी कुछ वैसी ही स्थिति का सामना कर रहा है. उन्होंने आगे बताया कि ऐसी घटनाओं की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए अधिकारियों

को बहुत सावधान रहने की जरूरत है. ऐसे संकट से निपटने की योजनाएं बनानी होंगी और बचाव के उपाय करने होंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या ऐसी आपदा को रोका जा सकता है या उसके असर को कम किया जा सकता है. साथ ही, कार्रवाई के लिए स्पष्ट तरीके भी तैयार करने होंगे ताकि अगर ऐसी कोई घटना होती है, तो जान-माल के नुकसान को कम करने के लिए जरूरी कदमों की जानकारी पहले से हो. रिसर्चर्स ने इस इलाके में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने पर भी चिंता जताई है. उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर में लगभग 18000 ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं,

आवारा जानवर आ जाने से अनियंत्रित हुई बाइक

-बाइक सवार छात्रा गंभीर रूप से घायल,जिला अस्पताल रेफर

(यंग भारत न्यूज)
कोंच सड़क पर अचानक आवारा जानवर आ जाने से एक बाइक सवार 21 वर्षीय छात्रा अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उसे एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया।जानकारी के अनुसार, दीक्षा पुत्री राघवेंद्र, उम्र 21



वर्ष, निवासी गांधी नगर पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास अशोक शुक्ला महिला महाविद्यालय में एमएससी की छात्रा है। सोमवार सुबह वह मोटरसाइकिल से एट जा रही थी। बताया गया कि रक्षाबंधन के अवसर पर उसकी सहेली आई हुई थी और दीक्षा

उससे मिलने के लिए बाइक से एट जा रही थी।जैसे ही वह ग्राम अंडा के पास पहुंची, तभी अचानक एक आवारा जानवर सड़क पर सामने आ गया। जानवर को बचाने के प्रयास में उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ी।

1900 पात्र व्यक्तियों के आवास आवेदन स्वीकृत होने के बाद भी अब तक खाते में नहीं आयी धनराशि

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिन व्यक्तियों ने आवेदन किया था। लगभग पांच माह पूर्व लगभग 1900 पात्र व्यक्तियों के आवेदन स्वीकृत होने के बाद भी अब तक उनके खाते में अब तक धनराशि नहीं आई हैं। वहीं पहली किस्त आने के बाद लगभग 1300 व्यक्तियों के खाते में दूसरी किस्त नहीं आई है। जिसके चलते उनके आवास अधूरे पड़े हैं। लाभार्थियों ने आवास बनाने के लिए धनराशि शीघ्र खातों में भिजवाने की मांग अधिकारियों से की है।
नगर क्षेत्र निवासी रविंद्र कुमार, सुरेश, अहमद, रजनी, लाडो, संतोषी आदि ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन किया था। उनके सर्वे आदि होकर रिपोर्ट लग चुकी और लाभार्थियों की सूची में उनके नाम भी आ चुके हैं। लेकिन अब तक उनके खाते में पहली किस्त ही नहीं आई है। जिसके चलते वह आवास नहीं बनवा पा रहे हैं। वहीं, इंदल, सुरेंद्र, रमेश, आरती, किरन, जयदेवी आदि ने बताया कि लगभग चार से पांच माह पूर्व पहली किस्त उन्हें मिल चुकी है। पहली किस्त की जो धनराशि मिली थी उसे मकान में लगाया जा चुका है। इसके बाद से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। दूसरी किस्त का इंतजार कर रहे हैं कि कब दूसरी किस्त मिलेगी और उनका निर्माण कार्य पूरा होगा। अधूरे निर्माण के चलते परेशानी हो रही है। यदि पूरा निर्माण हो जाता है तो रहने में दिक्कत नहीं होगी। इसको लेकर सदर लेखपाल वैभव त्रिपाठी ने बताया कि यहां से लिस्ट जा चुकी है। अभी लगभग 1900 लाभार्थी ऐसे हैं, जिन्हें पहली किस्त नहीं मिली है। वहीं, लगभग 1300 लाभार्थियों को पहली किस्त मिल चुकी है, उन्हें लगभग चार माह से दूसरी किस्त नहीं मिली है

अथाह पहुज नदी में लापता युवक का 60 घंटे बाद भी कोई पता नहीं चल सका

-वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन का बढ़ाया दायरा

(यंग भारत न्यूज)
कोंच पहुज में लापता युवक का सोमवार को 60 घंटे बाद भी कोई पता नहीं चल सका है। एक वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने सर्च ऑपरेशन का दायरा बढ़ा कर नदीगांव थाना क्षेत्र तक कर दिया है। जिले के पुलिस कप्तान विनय कुमार सिंह ने भी सलैया क्षेत्र का दौरा कर स्थिति की जानकारी ली और अधीनस्थों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम सलैया बुजुर्ग के नजदीक से निकली पहुज नदी में गुरुवार की शाम नहाने उतरा गांव का 28 वर्षीय युवक हरीशंकर कोरव उर्फ हरी पुत्र पहलवान सिंह उफनाई नदी के पानी में लापता हो गया था, जिसका तमाम प्रयासों के बाद 60 घंटे बीत जाने पर भी पता नहीं चल सका है। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें सलैया बुजुर्ग गांव से करीब 13 किमी दूर यूपी/एमपी बॉर्डर पर नदीगांव थाना क्षेत्र के मऊ मिहौनी के पास नदी पर बने पुल के नीचे पानी में एक व्यक्ति का शव तेज बहाव में



बहता हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल वीडियो को लेकर कैलिया थानाध्यक्ष अर्चना पटेल ने बताया कि शनिवार की शाम पुल पर खड़े किसी युवक ने जा वह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया है, लेकिन युवक ने तत्काल ही इसकी कोई सूचना थाना कैलिया अथवा नदीगांव पुलिस को नहीं दी। वायरल वीडियो के आधार पर थानाध्यक्ष नदीगांव राजकुमार चौधरी व उन्होंने स्वयं दोनों थानों की पुलिस के साथ मिलकर मऊ मिहौनी पुल से आगे बीहड़ क्षेत्र में करीब 3 किमी तक सर्च

ऑपरेशन चलाया लेकिन फिलहाल सफलता हाथ नहीं लग सकी है। थानाध्यक्ष का कहना है कि जो वायरल वीडियो है उसमें पानी के तेज बहाव में जा रहे व्यक्ति का सिर पानी में नीचे की ओर है जिससे उसकी पहचान न हो पाने पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं, क्षेत्र से बाहर अन्य घटनाएं घटित होने के चलते यहां सर्च ऑपरेशन में लगी एसडीआरएफ और पीएसी की फ्लड टीम अन्य क्षेत्रों में चली गयी।

निषाद वंश उपजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग

अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा
(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। निषाद पार्टी द्वारा विमुक्त जनजाति/निषाद वंश उपजातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने और जातिगत जनगणना में मंज़वार अंकित कराने को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को संबोधित ज्ञापन एसडीएम राकेश कुमार सोनी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि निषाद वंश के लोग अंग्रेजों के क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट 1871 के तहत जनजात अपराधी घोषित किए गए थे। भारत सरकार ने इस कानून को 31 अगस्त 1952 को निरस्त किया, जिसके बाद उन्हें विमुक्त जनजाति घोषित किया गया। इसी कारण निषाद वंश 31 अगस्त को विमुक्ति दिवस के रूप में मनाता है। बताया कि 1931 की जनगणना के अनुसार केवट, मल्लाह, निषाद, बिंद, मंज़वार, कश्यप, तुरैहा, माझी, रैकवार आदि जातियां एक ही वंश की पर्यायवाची जातियां हैं। वर्तमान में एक ही वंश से जुड़ी जातियों को अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग श्रेणियों में आरक्षण दिया जा रहा है। दिल्ली में मल्लाह को अनुसूचित जाति में रखा गया है, जबकि बंगाल में केवट अनुसूचित जाति की सूची में शामिल है, वहीं उत्तर प्रदेश में निषाद वंश की इन जातियों को पिछड़ी जाति की श्रेणी में रखा गया है। इससे समाज के लोगों के साथ आरक्षण व्यवस्था में विसंगति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि जनगणना में निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों के नाम मंज़वार के कॉलम में दर्ज किए जाएं और कोष्ठक में विमुक्त जनजाति भी अंकित की जाए, ताकि समाज की वास्तविक संख्या का सही आकलन हो सके। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में निषाद वंश की सभी पर्यायवाची जातियों को अन्य राज्यों की तरह अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने की मांग की। साथ ही शिक्षा, नौकरी और राजनीति में आरक्षण के साथ पेंशन की सुविधा दिए जाने की मांग भी उठाई। इसके अलावा 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए निषाद वंश के लोगों के गांवों को आदर्श शहीद गांव घोषित करने और उनके परिवारों को स्वतंत्रता सेनानी सम्मान दिए जाने की मांग की गई।



श्रीकृष्ण के मंदिरों में सावन मेला का आयोजन, जन्माष्टमी तक रहेगी धूम

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। नगर व ग्रामीण क्षेत्र के प्रमुख भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों में सावन मेला का आयोजन चल रहा है। श्रावण (हरियाली) तीज से शुरू हुआ आयोजन श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव तक चलेगा, जिसमें भगवान का हर दिन अद्भुत श्रृंगार किया जा रहा है और भजन संध्या व सावन गीतों का गायन हो रहा है।
नगर के प्रमुख कृष्ण भक्ति के मंदिर बंबई वाला मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, संकटमोचन हनुमानजी के मंदिर, परवई वाले मंदिर में सावन तीज से सावन झूला का आयोजन शुरू हो जाता है। श्रावण मास की तृतीया (हरियाली तीज) से शुरू हुआ यह महोत्सव लगातार चल रहा, जो भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव व छठी उत्सव तक चलेगा। सावन झूला महोत्सव में मंदिरों में प्रतिदिन भजन संध्या व सावन गीतों का कार्यक्रम चल रहा है। भक्ति भाव के भजनों और सावन के गीतों को गाया जा रहा। बंबई वाले मंदिर, परवई वाले मंदिर में संगीत टोली द्वारा प्रतिदिन भजन संध्या का आयोजन किया चल रहा है। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं को दर्शाती झांकी सजाई गई है। मंदिर में स्थित विग्रह का अद्भुत श्रृंगार किया जा रहा है। मंदिर में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करने व झांकी का आनंद लेने भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर व ग्राम अकोढ़ी दुबे में राज मंदिर में सावन झूला महोत्सव के मौके पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को झूले में झुलाया जा रहा है। महिलाओं सुनीता निरंजन, सीमा मिश्रा, शीलू बाथम, ममता पिपरिया, अर्चना पाठक, राधा शर्मा, राजकुमारी की टीम भजन गाकर भगवान को याद कर अपनी भक्ति प्रकट कर रही है।



नगर पालिका की खाली भूमि पर अवैध बिल्डिंग मैटेरियल का चल रहा है व्यापार

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। नगर के चुंगी नंबर चार के पास नगर पालिका की खाली भूमि पड़ी हुई है। इस भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध रूप से बिल्डिंग मैटेरियल के सामान के ढेर लगा रखे हैं। यहीं से सामान की विक्री भी की जा रही है।
नगर में चुंगी नंबर चार के पास प्रतापपुरा रोड व औरैया मार्ग पर नगर पालिका की खाली भूमि पड़ी हुई है। इस भूमि पर नगर पालिका के स्वामित्व का बोर्ड भी लगा हुआ है। जिस पर लिखा हुआ है कि मौजा जालौन बाहर हद की गाटा संख्या 43 शासन द्वारा जारी नगर पालिका परिषद के सीमा विस्तार में दिनांक 23 दिसंबर 2020से नगर पालिका परिषद जालौन के अंतर्गत आ गई है। जिसकी मालिक काबिज राज्य सरकार उत्तर प्रदेश है। इसका क्रय, विक्रय, अतिक्रमण अथवा अन्य किसी प्रकार से उक्त भूमि का क्षतिग्रस्त करना दंडनीय अपराध है। इसके बाद भी इस भूमि पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर इसमें बिल्डिंग मैटेरियल का सामान बालू, ईट, गिट्टी आदि डंप कर लिए हैं। इस सामान की यहीं से विक्री भी की जा रही है। अवैध रूप से डंप किए गए बिल्डिंग मैटेरियल के सामान से नगर पालिका राजस्व का भी लाभ नहीं हो रहा है। साथ ही इस पर कब्जे की भी आशंका नगरवासी जता रहे हैं। नगर पालिका की भूमि पर अतिक्रमण कर रखे गए सामान को हटवाने की मांग नगर के लोगों ने डीएम से की है।

पुलिस ने पांच पर की मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा के पांच व्यक्तियों पर मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही की। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र के अराजकतत्वों में हड़कप की स्थिति देखी जा सकती है।
कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि अलग-अलग मामलों में समाज के अंदर भय और डर का माहौल बनाने पर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी के निर्देश पर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा निवासी अशोक तिवारी पुत्र विनोद तिवारी, महेंद्र पुत्र चतुर सिंह, माताप्रसाद उर्फ मुकेश तिवारी पुत्र सीताराम, रानू खान पुत्र इमामबख्खा एवं यादवेंद्र उर्फ बबलू पुत्र किशोरी शरण के विरुद्ध मिनी गुंडा एक्ट की कार्यवाही की गई है।

अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित लोगों को त्वरित मुआवजा दिलाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)
जालौन-उरई। तहसील क्षेत्र में अतिवृष्टि से हुए नुकसान का सर्वे कराकर प्रभावित लोगों को शीघ्र मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर एमएलसी प्रतिनिधि ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने तहसील क्षेत्र के सभी गांवों में लेखपालों को भेजकर मकानों समेत जनमानस को हुई क्षति का प्राथमिकता के आधार पर सर्वे कराने की मांग की। साथ ही किसानों की खरीफ फसल उड़द, मूंग और मूंगफली को हुए नुकसान का सर्वे कराकर शत-प्रतिशत मुआवजा दिलाने का प्रस्ताव शासन को शीघ्र भेजने की मांग की।
एमएलसी प्रतिनिधि आरपी निरंजन ने एसडीएम राकेश कुमार सोनी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि तहसील क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण काफी नुकसान हुआ है। तहसील क्षेत्र के प्रधानों और ग्रामीणों ने उन्हें अवगत कराया है कि बारिश के कारण कई मकान गिर गए हैं और लोगों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। बताया कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान के संबंध में उनके द्वारा पहले ही आयुक्त झांसी मंडल झांसी को पत्र भेजकर अवगत कराया जा चुका है। ऐसे में प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने के कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। सरकार की मंशा के अनुसार पात्र प्रभावित लोगों को 48 घंटे के भीतर सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें तत्काल राहत मिल सके। कहा कि तहसील जालौन का कोई भी गांव ऐसा नहीं रहना चाहिए, जहां अतिवृष्टि से जनमानस को नुकसान हुआ हो और उसका सर्वे न कराया गया हो। सभी प्रभावित परिवारों को चिह्नित कर नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने किसानों की खरीफ फसलों को हुए नुकसान का भी व्यापक सर्वे कराकर उड़द, मूंग और मूंगफली की फसलों को हुए नुकसान का आकलन कर किसानों को शत-प्रतिशत मुआवजा दिलाने के लिए प्रस्ताव शीघ्र शासन को भेजने के लिए कहा। एसडीएम ने बताया कि सर्वे कराया जा रहा है, जो भी पीड़ित हैं उन्हें शीघ्र ही मुआवजा दिलवाया जाएगा।



घर के बाहर पानी भर रहे बुजुर्ग से की मारपीट घायल बुजुर्ग को सीएचसी मे भर्ती कराया गया

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला पटेल नगर चन्दकुआ निवासी एक बुजुर्ग के साथ पानी भरते समय मारपीट किए जाने का मामला रविवार देर रात सामने आया है। पीड़ित रघुवीर शरण वर्मा पुत्र बदलू प्रसाद ने कोतवाली में तहरीर देकर लोहे की रॉड से हमला करने का आरोप लगाया है। घटना में घायल हुए बुजुर्ग को पुलिस ने उपचार एवं चिकित्सकीय परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा।
पीड़ित द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, वह अपने घर के बाहर खड़े होकर पानी भर रहे थे। इसी दौरान राकेश यादव वहां पहुंचा और कथित तौर पर लोहे की रॉड से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में रघुवीर शरण वर्मा को चोटें आईं। घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बुजुर्ग को कोंच सीएचसी ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।वही सागर चौकी प्रभारी सुमित कुमार ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

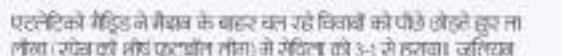


सरकारी हैंडपंप से पानी भर रही महिला से की मारपीट महिला ने लगाया घर में घुसकर मारपीट का आरोप, पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)
कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घमुरी में सरकारी हैंडपंप पर पानी भरने को लेकर हुए विवाद का मामला सामने आया है।जानकारी के अनुसार गांव की निवासी गीता देवी पत्नी भगवान सिंह ने सोमवार को पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर कुछ लोगों पर मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं।
पीड़िता ने प्रार्थनापत्र में बताया कि गांव के सरकारी हैंडपंप में चन्दरेखा, सरिता, विनोद, श्यामकरन समेत अन्य लोगों ने समरसेबल डाल रखा है। आरोप है कि इसके चलते ग्रामीणों को हैंडपंप से पानी भरने से रोका जा रहा है।
गीता देवी ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। महिला का आरोप है कि इतना ही नहीं हमलावर घर में घुस आए और वहां भी उसके साथ मारपीट की।पत्नी को बचाने पहुंचे भगवान सिंह के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। पीड़िता ने बताया कि वह पूर्व में भी संबंधित लोगों के खिलाफ शिकायत कर चुकी है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। गीता देवी ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने, सरकारी हैंडपंप से समरसेबल हटवाने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।कोतवाली पुलिस ने प्रार्थनापत्र पर जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।



ला लीगा: एटलेटिको मैड्रिड ने सेविला को हराया

[illegible]

जोसेफिन् 20वीं बार यूएस ओपन में हिस्सा ले रही हैं। वह इससे पहले दो मुख्य प्रकटन में भी उपलब्ध थीं। हालांकि कब्रों वाली गिर्रांजी चक्रेणें, अग्रे जगती और फेडिनिगोस की लंबी सूची में शामिल हो जायेंगे। जोसेफिन्च में कस कि लोहा खराब तन खोलन इसके करियर के शुरूआती दौर से ही लड़ा रहा है। 2005 में प्रशपन के बाद वह बिल्के 2017 में यूएस ओपन में नहीं खेल पाई। वह कोलंबीयन घोट के कारण उन्हें बाग बाउल लेना पड़ा था। ज्येष्ठों में 2011, 2015, 2018 और 2023 में यह निवृत्त जगती।

